इरेडा ने 34वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की

वित्तीय वर्ष 2020-21 में अब तक का सबसे अधिक पीबीटी दर्ज

अगले पांच वर्षों के लिए ऋण बुक में पांच गुना वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित

नई दिल्ली, 28 सितंबर, 2021

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा), जो नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक प्रतिष्ठान है, की 34वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम), आज इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित की गई। एजीएम में वित्तीय वर्ष 2020-21 के वार्षिक लेखांकन को अंगीकार किया गया।

शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि, "महामारी काल के बावजूद, इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान दूसरा सबसे अधिक ऋण संवितरण (स्थापना के बाद से) 8,827 करोड़ रुपये की राशि पूर्ण किया और पिछले वर्ष के 241.11 करोड़ रुपए की राशि में 136.20% की वृद्धि के साथ कर पूर्व अब तक का सर्वाधिक लाभ 569.52 करोड़ रुपये अर्जित की और एनपीए में पिछले वर्ष के 7.18% से वित्तीय वर्ष 2020-21 को समाप्त वर्ष में 5.61% तक की नेट कमी हुई है, जोकि पिछले वर्ष से लगभग 22% की एक महत्वपूर्ण कमी है।

भविष्य की रणनीतियों पर प्रकाश डालते हुए, सीएमडी ने कहा कि, " मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के दौरान इरेडा की ऋण बुक में 28000 करोड़ रूपये (लगभग) से मार्च, 2026 को समाप्त वर्ष में 1.35 लाख करोड़ रुपये पांच गुना वृद्धि के लिए अग्रसर है। कंपनी की योजना प्रति कर्मचारी राजस्व वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 17 करोड़ रूपये (लगभग) से वित्तीय वर्ष 2025-26 को समाप्त वर्ष में 55 करोड़ रूपये (लगभग) बढ़ाने की है"। श्री दास ने यह भी रेखांकित किया कि इरेडा वर्तमान में एक ऋण सूचीबद्ध कंपनी है और यह इक्विटी सूचीबद्ध करने की दिशा में काम करने के लिए पूरी तरह से अग्रसर है। इरेडा नए इक्विटी शेयरों का आईपीओ भी लाएगी और आगे ऋण प्रदान करने के लिए पूंजी जुटाने हेतु अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में ग्रीन बॉण्ड जारी करने की योजना बना रही है।

इरेडा के सीएमडी ने आगे रेखांकित किया कि इरेडा बड़े संस्थागत निवेशकों जैसे पेंशन फंड, बीमा फंड, पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासन फंड आदि को टैप करने के लिए एक वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के रूप में एक ऋण कोष स्थापित करने की प्रक्रिया में है । एआईएफ उन उधारकर्ताओं की नई परियोजनाओं के वित्तपोषण में भी इरेडा की सहायता करेगा जो एक्सपोजर सीमा के अंतर्गत हैं । कंपनी पास-थ्रू सर्टिफिकेट जारी करके एसेट-बेस्ड सिक्योरिटाइजेशन (एबीएस) करने की भी योजना बना रही है।